भारत सरकार

विद्युत मंत्रालय

....

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1755

दिनांक 03 अगस्त, 2026 को उत्तरार्थ

उत्तरी बंगाल में विद्युत पारेषण

1755. श्री हर्ष वर्धन श्रृंगलाः

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने दार्जिलिंग जिले, कलिम्पोंग जिले तथा उत्तरी बंगाल के अन्य पहाड़ी क्षेत्रों में विद्युत पारेषण एवं वितरण अवसंरचना को सुदृढ़ किया है;

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान उपकेंद्रों, पारेषण लाइनों तथा पूर्ण किए गए ग्रामीण विद्युतीकरण कार्यों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) इन पहलों से किस प्रकार घरों, पर्यटन प्रतिष्ठानों, शैक्षणिक संस्थानों तथा लघु व्यवसायों के लिए निर्बाध विद्युत आपूर्ति में सुधार होने की संभावना है?

उत्तर

विद्युत राज्य मंत्री
(श्री श्रीपाद नाईक)

(क) से (ग) : विद्युत एक समवर्ती विषय होने के कारण, सभी उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति तथा वितरण संबंधित वितरण यूटिलिटी के दायरे में है, जो संबंधित राज्य सरकारों तथा राज्य विद्युत विनियामक आयोगों के समग्र मार्गदर्शन में कार्य करती है।

भारत सरकार ने राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति में सहायता हेतु दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (डीडीयूजीजेवाई), समेकित विद्युत विकास स्कीम (आईपीडीएस) तथा प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य) जैसी स्कीमों के माध्यम से राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रयासों में सहायता की है। इन स्कीमों के अंतर्गत, राष्ट्रीय स्तर पर 1.85 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं, विद्युत वितरण अवसंरचना को सुदृढ़ करने हेतु कार्यान्वित की गईं जिनमें पश्चिम बंगाल राज्य के लिए 11,049 करोड़ रुपये शामिल हैं। डीडीयूजीजेवाई के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर कुल 18,374 गांवों का विद्युतीकरण किया गया तथा सौभाग्य अवधि के दौरान कुल 2.86 करोड़ घरों का विद्युतीकरण किया गया। इसमें पश्चिम बंगाल राज्य के लिए डीडीयूजीजेवाई के अंतर्गत 22 गांव तथा सौभाग्य के दौरान 7.32 लाख परिवार शामिल हैं। दोनों स्कीमें दिनांक 31.03.2022 को बंद हो चुकी हैं। उत्तर बंगाल

के जिले में डीडीयूजीजेवाई के अंतर्गत संस्वीकृत तथा किए गए प्रणाली सुदृढ़ीकरण एवं फीडर पृथक्करण कार्यों का ब्यौरा **अनुबंध-I** पर दिया गया है।

वर्तमान में, जुलाई 2021 में भारत सरकार द्वारा वितरण यूटिलिटी को प्रचालनात्मक रूप से दक्ष तथा वित्तीय रूप से व्यवहार्य बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई चल रही संशोधित वितरण क्षेत्र स्कीम (आरडीएसएस) के अंतर्गत, वितरण अवसंरचना के उन्नयन तथा स्मार्ट मीटरिंग कार्यों हेतु वितरण यूटिलिटी को वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। इस स्कीम के अंतर्गत, देशभर में हानि न्यूनीकरण अवसंरचना कार्यों हेतु 1.53 लाख करोड़ रुपये तथा स्मार्ट मीटरिंग कार्यों हेतु 1.31 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं संसंस्वीकृत की गई हैं। इसमें पश्चिम बंगाल राज्य के लिए 19,893 करोड़ रुपये शामिल हैं। स्कीम की समाप्ति तिथि 31.03.2028 है।

आरडीएसएस के अंतर्गत उत्तर बंगाल के जिलों में संसंस्वीकृत कार्यों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्रम सं.	**जिले**	**संस्वीकृत राशि (करोड़ रुपये में)**
1.	दार्जिलिंग	61.97
2.	अलीपुरद्वार	57.79
3.	कूचबिहार	207.61
4.	दक्षिण दिनाजपुर	240.75
5.	जलपाईगुड़ी	88.92
6.	मालदा	381.67
7.	उत्तर दिनाजपुर	311.85
	कुल	**1350.56**

इन जिलों में आरडीएसएस के अंतर्गत संस्वीकृत कार्यों की भौतिक प्रगति का ब्यौरा, दिनांक 28.07.2026 तक, **अनुबंध-II** पर दिया गया है।

पश्चिम बंगाल राज्य विद्युत पारेषण कंपनी लिमिटेड (डबल्यूबीएसईटीसीएल) द्वारा दी गई सूचना के अनुसार दार्जिलिंग तथा कलिम्पोंग क्षेत्रों में पारेषण नेटवर्क को छह सब-स्टेशनों अर्थात् (i) लेबोंग में दार्जिलिंग 132 केवी सबस्टेशन, (ii) रिंचिंगटन जल विद्युत स्टेशन के निकट कर्सियांग 132 केवी सबस्टेशन, (iii) उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय से सटा एनबीयू 132 केवी सबस्टेशन, (iv) सिलीगुड़ी 132 केवी सबस्टेशन तथा (v) सिलीगुड़ी नगर क्षेत्र में उजानू 132 केवी सबस्टेशन की स्थापना के माध्यम से सुदृढ़ किया गया है। इसके अतिरिक्त, कलिम्पोंग जिले में एक 66 केवी सबस्टेशन स्थापित किया गया है। पश्चिम बंगाल राज्य में पिछले तीन वर्षों अर्थात् वित्त वर्ष 2023-24 से वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान जोड़ी गई पारेषण लाइनों तथा सबस्टेशनों का ब्यौरा **अनुबंध-III** पर दिया गया है।

यह अपेक्षित है कि उपर्युक्त कार्यों से इस क्षेत्र में घरों, पर्यटन प्रतिष्ठानों, शिक्षण संस्थानों तथा लघु व्यवसायों को विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार लाने में सहायता मिलेगी।

रा.स.अतारां.प्र.सं. 1755

अनुबंध-I

डीडीयूजीजेवाई के अंतर्गत किए गए कार्य

उत्तर बंगाल के जिलों में **डीडीयूजीजेवाई** के अंतर्गत किए गए अवसंरचना सुदृढ़ीकरण तथा फीडर पृथक्करण कार्यों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्रम सं.	जिला	सब-स्टेशन (उन्नयन सहित)	वितरण ट्रांसफार्मर (डीटी)	फीडर पृथक्करण	11 केवी लाइनें	एलटी लाइनें	33 केवी व 66 केवी लाइनें	उपभोक्ता ऊर्जा मीटर	वितरण ट्रांसफार्मर मीटर	11 केवी फीडर मीटर
		सं	सं	सीकेएम*	सीकेएम*	सीकेएम*	सीकेएम*	सं.	सं.	सं.
1	दार्जिलिंग	11	315	-	103.54	781.75	100.64	28,830	-	7
2	कूचबिहार	8	498	53.08	230.52	1,864	44.14	1,27,298	189	5
3	दक्षिण दिनाजपुर	6	1,011	385.43	205.37	934.86	56.00	1,04,228	2,024	22
4	जलपाईगुड़ी#	14	557	74.64	263.47	1,415.10	111.80	1,48,609	399	44
5	मालदा	19	2,045	968.31	224.17	951.77	145.54	1,09,058	2,131	43
6	उत्तर दिनाजपुर	9	641	283.96	329.34	872.47	283.96	1,20,187	436	-

#अलीपुरद्वार जिला, डीडीयूजीजेवाई के कार्यान्वयन के समय जलपाईगुड़ी जिले का भाग था।

***सीकेएम - सर्किट किलोमीटर**

रा.स.अतारां.प्र.सं. 1755

अनुबंध-II

उत्तर बंगाल जिले के लिए आरडीएसएस के अंतर्गत कार्यों की प्रगति

क्रम सं.	जिला	संस्वीकृति/उपलब्धि	विद्युत सबस्टेशन का संवर्धन (संख्या)	एचटी लाइन (11 केवी) (सीकेएम)*	एलटी एबी केबलिंग कार्य (सीकेएम)*	नए डीटी (संख्या)
1	दार्जिलिंग	संस्वीकृत	4	140	1,000	40
		उपलब्धि	4	1	547	3
2	अलीपुरद्वार	संस्वीकृत	1	154	1,000	40
		उपलब्धि	1	13	1,000	0
3	कूचबिहार	संस्वीकृत	3	154	4,062	40
		उपलब्धि	3	12	2,868	0
4	दक्षिण दिनाजपुर	संस्वीकृत	3	249	4,629	40
		उपलब्धि	3	9	1,518	1
5	जलपाईगुड़ी	संस्वीकृत	1	154	1,647	40
		उपलब्धि	1	1	925	3
6	मालदा	संस्वीकृत	0	244	7,633	40
		उपलब्धि	0	71	6,121	1
7	उत्तर दिनाजपुर	संस्वीकृत	2	234	6,000	40
		उपलब्धि	2	34	2,603	2

***सीकेएम - सर्किट किलोमीटर**

रा.स.अतारां.प्र.सं. 1755

अनुबंध-III

पश्चिम बंगाल राज्य में पिछले तीन वर्षों (वित्त वर्ष 2023-24 से वित्त वर्ष 2025-26) के दौरान जोड़ी गई पारेषण लाइनों तथा सबस्टेशन का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क. पिछले तीन वर्षों के दौरान जोड़ी गई पारेषण लाइनों का ब्यौरा

क्र.सं.	पारेषण लाइन	लंबाई (सीकेएम)
1	खानाकुल 220 केवी जीआईएस पर 220 केवी डोमजुर-आरामबाग लाइन के एक सर्किट का लीलो	23
2	फालाकाटा उप-केंद्र पर पीजीसीआईएल की मौजूदा बीरपाड़ा-अलीपुरद्वार 220 केवी डी/एसआई लाइन का लीलो	16
3	एसटीपीएस से रघुनाथपुर (220 केवी उप-केंद्र)	46
4	सतगछिया जीआईएस पर गोकर्ण-न्यू चांडीटाला लाइन का केवी	21
5	फालाकाटा (220 केवी उप-केंद्र) पर पीजीसीआईएल की बीरपाड़ा-अलीपुरद्वार लाइन का लीलो	63
6	खानाकुल (220 केवी जीआईएस) पर डोमजुर-आराम्बाग लाइन का लीलो	8
7	फूड पार्क 220 केवी उप-केंद्र पर केटीपीपी-जांगलपुर 220 केवी डी/सी लाइन का लीलो	2
8	प्रस्तावित फूड पार्क 220/132 केवी जीआईएस उप-केंद्र पर केटीपीपी-हावड़ा 220 केवी डी/सी लाइन का लीलो	2
9	जीरत - कृष्णानगर 220 केवी डी/सी संयोजकता	114
10	प्रस्तावित मोंगालपुर 220 केवी जीआईएस पर दुर्गापुर - आसनसोल पारेषण लाइन का लीलो	9
11	जांगलपुर 220 केवी जीआईएस पर हावड़ा-केटीपीपी का लीलो	1
12	मौजूदा एसटीपीएस-आसनसोल पारेषण लाइन का डायवर्जन	5

ख. पिछले तीन वर्षों के दौरान जोड़े गए सबस्टेशन का ब्यौरा

क्रम सं.	सबस्टेशन / सबस्टेशन का उन्नयन	एमवीए
1	खानाकुल 220/33 केवी जीआईएस	100
2	फालाकाटा 220 केवी जीआईएस	320
3	रघुनाथपुर 220 केवी जीआईएस (उन्नयन) (1X160 एमवीए व 1X150 एमवीए)	310
4	सतगछिया जीआईएस का उन्नयन (220 केवी उप-केंद्र से 400 केवी तक)	1,000
5	एबीजोन 220 केवी जीआईएस (132 केवी से 220 केवी में उन्नयन)	320
6	फूड पार्क 220 केवी जीआईएस (उन्नयन)	320
7	न्यू चांडीटाला (चौथा आईसीटी)	315
8	न्यू टाउन एए-आईआईसी जीआईएस	320
9	दुर्गापुर एबी जोन 220 केवी जीआईएस	520
10	मंगलपुर 220/33 केवी जीआईएस	200
11	दुर्गापुर 400 केवीउप-केंद्र ट्रांसफार्मर संवर्धन	315
12	गोकर्ण 400 केवी उप-केंद्र ट्रांसफार्मर संवर्धन	315
13	न्यू चांडीटोला 400 केवी	315

****